

My Name -

ACTIVITY: 2

TLO: To be able to read texts with comprehension , locate details and answer questions

Date of Submission -

Translate this Hindi poem into English



सूरज

contributed by: Sneha Puri

रोज सुबह को सूरज आकर,
सबको सदा जगाता है।
शाम हुई लाली फैलाकर,
अपने घर को जाता है।
दिनभर खुद को जला-जलाकर,
यह प्रकाश फैलाता है।
उसका जीना ही जीना है,
जो काम सभी के आता है।